५. अध्याय पंचम : शोध निष्कर्ष एवं सुझाव

5.1. प्रस्तावना

5.2. शोध कथन

5.3. संक्षेपिका

5.4. निष्कर्ष

5.5 शैक्षिक महत्व

5.6. सुझाव

5.6.1. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के लिए सुझाव

5.6.2. शिक्षकों के लिए सुझाव

5.6.3. जिला शिक्षा केन्द्र हेतु सुझाव

5.6.4. शासन् हेतु सुझाव

5.6.5. भावी शोधार्थियों हेतु सुझाव

अध्याय–पंचम

शोध निष्कर्ष एवं सुझाव

5.1. प्रस्तावना :

शिक्षा राष्ट्र विकास का साधन है। किसी भी परिवेश, पृष्ठभूमि या वातावरण में एक पुरूष की शिक्षा केवल एक व्यक्ति की शिक्षा कही जाती है, जबकी एक महिला की शिक्षा संपूर्ण परिवार की शिक्षा होती हैं। बालिका शिक्षा के लिए प्रारंभ से ही सरकार द्वारा योजनाओं के माध्यम से अनेक प्रयास हुए है। सर्वशिक्षा योजना के अंतर्गत कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय भी एक ऐसा ही प्रयास है। जिसके अंतर्गत वंचित वर्ग की बालिकाओं को भौतिक तथा शैक्षिक सुविधा प्रदान कर उनके नामांकन, ठहराव, शिक्षा में गुणवत्ता जैसे लक्ष्यों को प्राप्त कर उन्हें समाज की मुख्य धारा में सम्मिलित करना है। प्रस्तुत अध्ययन में यह जानने का प्रयास किया गया है कि केंद्र सरकार द्वारा खोले गए इन विद्यालयों में नियमानुसार भौतिक तथा शैक्षिक सुविधाएं है तथा विद्यालय में अध्ययनरत बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि अपेक्षानुसार है।

5.2. शोध कथन :

" कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में अध्ययनरत बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि तथा भौतिक एवं शैक्षिक सुविधाओं के उपयोग का अध्ययन "

5.3. संक्षेपिका :

प्रस्तुत शोध पांच अध्यायों में विभक्त है। प्रथम अध्याय शोध परिचय के अंतर्गत शोध से संबंधित प्राचीन पृष्ठभूमि तथा वर्तमान परिस्थिति का वर्णन किया गया है। द्वितीय अध्याय के अंतर्गत विषय से संबंधित साहित्य का वर्णन किया गया है; जो शोधार्थी को शोध विषय को समझने में सुविधा प्रदान करता है। तृतीय अध्याय के अंतर्गत शोध प्रविधि को वर्णित किया गया है। जिसमें मुख्यतः न्यादर्श से संबंधित तथ्य तथा शोध संबधी उपकरणों का विवरण दिया गया है। चतुर्थ अध्याय के

अंतर्गत प्रदत्त विश्लेषण, परिणाम तथा व्याख्या का समावेश है और अंत में पंचम अध्याय के अंतर्गत शोध का सार, निष्कर्ष तथा सुझाव प्रस्तुत है।

5.3.1. शोध प्रश्न :

1. क्या कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में सभी प्रकार की भौतिक सुविधाएँ उपलब्ध है?
2. क्या कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में सभी प्रकार की शैक्षिक सुविधाएँ उपलब्ध है?
3. क्या कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में सभी प्रकार की भौतिक सुविधाओं की उपलब्धता के अनुरूप बालिकाओं द्वारा उपयोग किया जाता है?
4. क्या कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में शैक्षिक सुविधाओं की उपलब्धता के अनुरूप बालिकाओं द्वारा उपयोग किया जाता है?
5. क्या कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि का स्तर उन्हें प्राप्त भौतिक सुविधाओं के अनुरूप है?
6. क्या कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि का स्तर उन्हें प्राप्त शैक्षिक सुविधाओं के अनुरूप है?

5.3.2 अध्ययन के उद्देश्यः

1. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में कक्षा 8वीं की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन करना।
2. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में कक्षा 8वीं की बालिकाओं की भौतिक सुविधाओं का अध्ययन करना।
3. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में कक्षा 8वीं की बालिकाओं को प्राप्त शैक्षिक सुविधाओं का अध्ययन करना।
4. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में कक्षा 8वीं की बालिकाओं द्वारा भौतिक सुविधाओं के उपयोग का अध्ययन करना।

5. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में कक्षा 8वीं की बालिकाओं द्वारा शैक्षिक सुविधाओं के उपयोग का अध्ययन करना।
6. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में कक्षा 8वीं की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि पर भौतिक सुविधाओं के प्रभाव का अध्ययन करना।
7. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में कक्षा 8वीं की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि पर शैक्षिक सुविधाओं के प्रभाव का अध्ययन करना।

5.3.3. परिकल्पनाएँ :

1. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय कचनारी, बिरसा, तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय परसामऊ, बैहर के कक्षा 8 की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर नहीं है।

2. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय कचनारी, बिरसा तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय परसामऊ, बैहर के कक्षा 8वीं की बालिकाओं को प्राप्त भौतिक सुविधाओं के उपयोग में सार्थक अंतर नहीं है।

3. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय कचनारी, बिरसा तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय परसामऊ, बैहर के कक्षा 8वीं की बालिकाओं को प्राप्त शैक्षिक सुविधाओं के उपयोग में में सार्थक अंतर नहीं है।

4. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय कचनारी, बिरसा के कक्षा 8वीं की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि तथा भौतिक सुविधा के उपयोग के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

5. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय कचनारी, बिरसा के कक्षा 8वीं की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि तथा शैक्षिक सुविधा के उपयोग के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

6. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय परसामऊ, बैहर के कक्षा 8वीं की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि तथा भौतिक सुविधा के उपयोग के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

7. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय परसामऊ, बैहर के कक्षा 8वीं की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि तथा शैक्षिक सुविधा के उपयोग के मध्य सार्थक संबंध नहीं है।

5.3.4. अध्ययन सीमा एवं परिसीमाएँ :

1. मध्यप्रदेश बालाघाट जिले की बैहर तहसील के बिरसा एवं 'बैहर' विकासखण्ड में स्थित दो कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का चयन किया गया है।
2. 200 बालिकाओं में से 30 बालिका पर यह अध्ययन किया गया है।
3. कक्षा 6–8 तक की कक्षा में कक्षा 8वीं की बालिकाओं पर यह अध्ययन किया गया है।

3.5. शोध के चर :

- स्वतंत्र चर :
  1. भौतिक सुविधाएँ,
  2. शैक्षिक सुविधाएँ
  3. भौतिक एवं शैक्षिक सुविधाओं का उपयोग।

- आश्रित चर :
  1. शैक्षिक उपलब्धि

5.3.6. शोध संबंधी उपकरण :

शोध में प्रदत्तों का संकलन करने हेतु उपकरणों की आवश्यकता होती है, जिससे कि प्रदत्तों के विश्लेषण तथा व्याख्या करने में सरलता हो। शोधकर्ता द्वारा उपकरणों का चयन सावधानी पूर्वक किया जाना चाहिए। यदि उपकरण स्वनिर्मित है तो उसका विश्वसनीय एवं उद्देश्यपूर्ण होना आवश्यक है। प्रस्तुत शोध अध्ययन में निम्नलिखित उपकरणों का चयन किया गया है –

1. **शैक्षिक रिकार्ड :**

शोध के अंतर्गत बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि को ज्ञात करने हेतु कक्षा आठवीं के अर्धवार्षिक परीक्षा के प्राप्ताकों लिया गया है।

2. **चेकलिस्ट :**

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, के लिए प्रयुक्त होने वाले निर्देश प्रपत्र 2008–2009 की सहायता द्वारा विद्यालय को प्रदान की जाने वाली भौतिक एवं शैक्षिक वस्तुओं की सूची निर्मित की गई है।

3. **प्रश्नावली :**

विशेषज्ञों के परामर्श से प्रश्नावली शोधकर्ता द्वारा निर्मित है जिसमें ऐसे प्रश्नों को समावेश किया गया है, जिससे बालिकाओं को दी जाने वाली भौतिक एवं शैक्षिक वस्तुओं का बालिकाओं द्वारा उपयोग की जानकारी प्राप्त होती है।

प्रश्न का स्वरूप हाँ/नहीं विकल्प तथा आवश्यकतानुसार ऐच्छिक उत्तरों के रूप में है। एवं अपेक्षित जानकारी विद्यालयीन रिकार्ड से प्राप्त की गई है।

5.3.7 शोध प्रविधि –

शोध अध्ययन हेतु वर्णात्मक अनुसंधान के अन्तर्गत सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

5.3.8. न्यादर्श का चयन प्रकिया :

शोधकर्ता के द्वारा न्यादर्श की इकाईयों का चयन करते समय इस बात का ध्यान रखा जाता है कि चुना गया न्यादर्श उस संपूर्ण जनसंख्या या समष्टि का प्रतिनिधित्व करे, जिससे वह न्यादर्श चुना गया है। चुना गया न्यादर्श जब तक संपूर्ण जनसंख्या का प्रतिनिधि नहीं होता है तब तक न्यादर्श के अध्ययन से प्राप्त परिणाम वैध और विश्वसनीय नहीं होते है।

प्रस्तुत शोध अध्ययन में समष्टी का सीमांकन करके 'यादृच्छिक' विधि, द्वारा विकासखंडों का चयन किया गया है। शोधकार्य में चयनित जिले, विकासखंड एवं ग्राम तथा कक्षा निम्न रेखाचित्र में प्रस्तुत है :

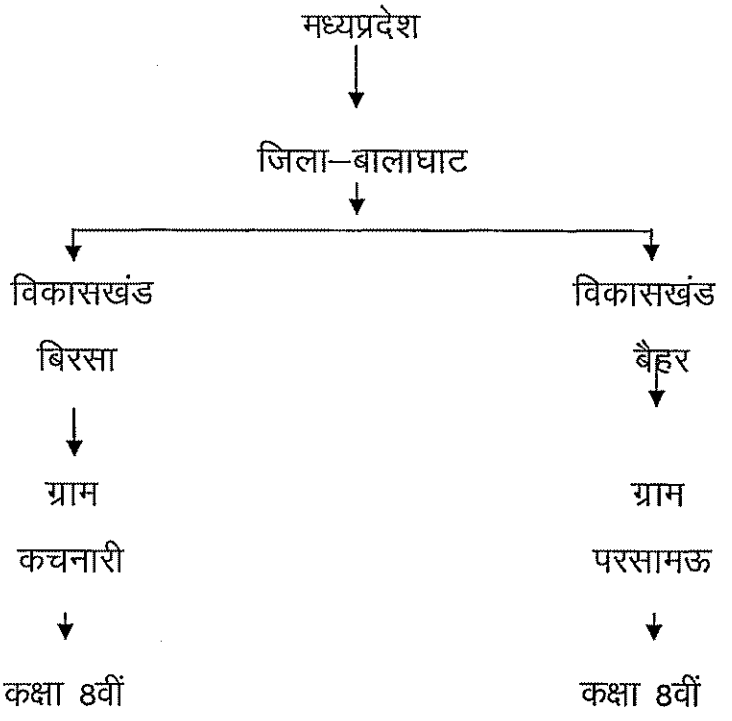

5.3.9. प्रदत्तों का संकलन :

प्रयुक्त उपकरणों का प्रशासन् इस प्रकार किया गया–

- प्रथम जिला शिक्षा केन्द्र द्वारा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों से सम्पर्क हेतु अनुमति प्राप्त की गई है।
- तत्पश्चात् कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के व्यवस्थापक से मिलकर मिलने क़ा समय निर्धारण किया गया।
- कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में–

➢ कक्षा 8 की बालिकाओं से साक्षात्कार किया गया।

➢ साक्षात्कार में बालिकाओं को अपेक्षित निर्देश दिया गया, जिससे कि बालिकाओं निसंकोच अपना अभिमत दे सके।

- बालिकाओं से प्रश्नावली को सफलता पूर्वक प्राप्त हो जाने के पश्चात धन्यवाद ज्ञापन किया गया।
- ततपश्चात् चेकलिस्ट में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में उपलब्ध भौतिक एवं शैक्षिक सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की गई।
- बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि जानने हेतु अर्ध वार्षिक परीक्षा के अंक विद्यालय से प्राप्त किया गया।
- अंत में सभी संबंधित जनों का आभार ज्ञापन किया गया।

5.3.10. प्रदतों का व्यवस्थापन तथा प्रयुक्त सांख्यिकी प्राविधियाँ:

प्रदतों के संकलन हेतु शैक्षिक रिकार्ड, चेकलिस्ट तथा प्रश्नावली का उपयोग किया गया। शैक्षिक रिकार्ड में कक्षा–8 की बालिकाओं के अर्द्धवार्षिक परीक्षा के अंक लिए गए तथा इन अंकों का उपयोग दोनों विद्यालय की शैक्षिक उपलब्धि में अंतर ज्ञात करने हेतु तथा भौतिक एवं शैक्षिक सुविधाओं के उपयोग के साथ सहसंबंध ज्ञात करने हेतु किया गया।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय निर्देश प्रपत्र–2008–2009 के आधार पर तैयार की गई। भौतिक एवं शैक्षिक सुविधाओं के चेकलिस्ट का वर्णन अनुच्छेद के रूप में किया गया है। प्रश्नावली में दो प्रकार की प्रश्नों के संग्रह है। यह विकल्प वाले प्रश्न तथा दीर्घ उत्तर वाले प्रश्न है। विकल्प वाले प्रश्नों को अंक प्रदान कर उन पर सांख्यिकी का प्रयोग किया गया तथा दीर्घ प्रश्नों के लिए अनुच्छेद लेखन तथा तालिका का प्रयोग किया गया।

प्रदतों के व्यवस्थापन में प्रश्नों को अंक प्रदान करने के पश्चात् अंतर ज्ञात करने हेतु 'टी–परिक्षण' तथा संबंध ज्ञात करने हेतु 'सहसंबंध' सांख्यिकी का प्रयोग किया गया।

5.4. निष्कर्ष :

शोध उपरांत प्राप्त प्रमुख निष्कर्ष निम्नानुसार है–

1. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय कचनारी, बिरसा तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय परसामऊ, बैहर की कक्षा 8वीं की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अंतर नही पाया गया।
2. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय कचनारी, बिरसा तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय परसामऊ, बैहर की कक्षा 8वीं की बालिकाओं द्वारा उपयोग की जाने वाली भौतिक सुविधाओं के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।
3. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय कचनारी, बिरसा तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय परसामऊ, बैहर की कक्षा 8वीं की बालिकाओं द्वारा शैक्षिक सुविधाओं के उपयोग के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।
4. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय कचनारी, बिरसा की कक्षा 8वीं की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि तथा भौतिक सुविधाओं के उपयोग में सार्थक सहसंबंध नहीं पाया गया।
5. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय कचनारी, बिरसा की कक्षा 8वीं की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि तथा शैक्षिक सुविधाओं के उपयोग के मध्य औसत स्तर का सहसंबंध प्राप्त हुआ।
6. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय परसामऊ, बैहर की कक्षा 8वीं की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि तथा भौतिक सुविधाओं के मध्य सार्थक सहसंबंध नहीं पाया गया।
7. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय परसामऊ, बैहर की कक्षा 8वीं की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि तथा शैक्षिक सुविधाओं के उपयोग के मध्य औसत स्तर का धनात्मक सहसंबंध प्राप्त हुआ।
8. चेकलिस्ट द्वारा भौतिक सुविधाओं की जांच करने पर मुख्यतः फर्नीचर (कुर्सी मेज, पलंग), कम्प्यूटर की अनुपस्थिति पाई गई। कस्तूरबा गांधी बालिका

विद्यालय कचनारी, बिरसा में बालिकाओं हेतु पलंग उपलब्ध है। दोंनों विद्यालयों में शैक्षिक सुविधाओं की उपलब्धता समान प्राप्त हुई।

5.5. शैक्षिक महत्व :

प्रस्तुत शोध अध्ययन कस्तूरबा गांधी विद्यालयों में किया गया है। कस्तूरबा गांधी विद्यालय में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति, अन्य पिछडा वर्ग, अल्प संख्यक वर्ग तथा गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाली बालिकाएँ निवासरत है तथा अध्ययन करती है। शोध में बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि तथा बालिकाओं को शासन द्वारा प्रदान की जा रही भौतिक एवं शैक्षिक सुविधा के उपयोग का अध्ययन किया गया है। शोध का शैक्षिक महत्व निम्नानुसार है–

1. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय वंचित वर्ग की बालिकाओं को शिक्षा प्रदान करने की नवीन योजना है। प्रस्तुत शोध द्वारा इस योजना के प्रभाव का अध्ययन किया गया है।
2. बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि द्वारा बालिकाओं के शैक्षिक विकास को जानने में लाभप्रद है।
3. शिक्षा प्राप्त करने में सुविधाऐं तथा अवसर बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है अतः सुविधाओं का बालिकाओं की शैक्षिक प्रगति पर प्रभाव देखने में महत्वपूर्ण है।
4. उपलब्ध सुविधाओं में क्या कमी है, तथा उपलब्ध सुविधाओं के अतिरिक्त और कौनसी सुविधाएँ प्रदान किया जाना आवश्यक है, यह जानकारी प्राप्त होती है।
5. इस योजना द्वारा वह बालिकाऐं जिनके लिए शिक्षा एक स्वप्न मात्र थी, उसे साकार करने का एक सशक्त माध्यम है।

5.6.सुझाव :

कस्तूरबा गांधी बालिका योजना के संबंध में विद्यालय, शिक्षकों, जिला शिक्षा केंद्र, शासन् तथा भावी शोधार्थियों के लिए निम्नलिखित सुझाव प्रस्तुत हैं–

5.6.1. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के लिए सुझाव :

1. वर्तमान में विद्यालय में सीटों की संख्या बढ़ाई गई है, अतः बालिकाओं के आवास के कमरे का आकार भी बढ़ाया जाना चाहिए; जिससे बालिकाओं को समायोजन में सरलता हो।
2. विद्यालय भवन के चारों ओर पक्की बांउड्री वाल होना चाहिए ताकि सुरक्षा को और सुनिश्चित किया जा सके।
3. शैक्षिक भ्रमण पर बालिकाओं को ले जाने हेतु व्यवस्था की जानी चाहिए।
4. बालिकाओं के भविष्य हेतु मार्गदर्शन की व्यवस्था होनी चाहिए।

5.6.2. शिक्षकों के लिए सुझाव :

1. बालिकाओं की भौतिक एवं मानसिक समस्याओं को समझकर उसे सुलझाने का प्रयत्न करना चाहिए।
2. बालिकाओं की विशेष प्रतिभाओं को प्रत्साहित किया जाना चाहिए।
3. विद्यालय में प्रत्येक दिन उपस्थित रहना चाहिए।
4. शिक्षण सहायक सामग्री को और अधिक रचनात्मक रूप में निर्मित किया जाना चाहिए ताकि बालिकाओं में अध्ययन के प्रति अधिक से अधिक रूचि जाग्रत हो।

5.6.3. जिला शिक्षा केंद्र हेतु सुझाव :

1. विद्यालय की भौतिक आवश्यकता जैसे फर्नीचर जो कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के निर्देश प्रपत्र में उल्लेखित है किंतु विद्यालय को पर्याप्त रूंप से उपलब्ध नहीं है, ऐसी वस्तुओं के उपलब्धता हेतु प्रयास करना।
2. विद्यालय में बालिकाओं के मूल्यांकन की समय–समय पर जांच की जानी चाहिए जो शैक्षिक उपलब्धि के स्तर को गुणवत्ता प्रदान करने में सहायक होगा।

5.6.4. शासन हेतु सुझाव :

1. विद्यालय का समय–समय पर निरिक्षण किया जाना चाहिए।
2. विद्यालय में वर्तमान में अनुपलब्ध सुविधाओं की शीघ्रता से पूर्ति की जानी चाहिए।
3. शासन् द्वारा विद्यालयों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए जिससे अधिक से अधिक बालिकाओं को इस योजना का लाभ प्राप्त हो सके।
4. बालिकाओं के आगामी अध्ययन हेतु विद्यालय में माध्यमिक स्तर तथा उच्चस्तर तक की कक्षाओं का प्रबंध किया जाना चाहिए।
5. प्रतिभावान बालिकाओं तथा खेलकुद में बेहतर प्रदर्शन करने वाली बालिकाओं के लिए विशेष प्रशिक्षण की व्यवस्था की जानी चाहिए।

5.6.5. भावी शोधार्थियों हेतु सुझाव :

1. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि तथा अभिप्रेरणा का अध्ययन।
2. दो राज्यों में संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की भौतिक तथा शैक्षिक सुविधाओं का तुलनात्मक अध्ययन।
3. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय तथा अन्य विद्यालय की बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि तथा सृजनात्मकता का तुलनात्मक अध्ययन।
4. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में होने वाली उपचारात्मक कक्षाओं तथा शिक्षण सहायक सामग्री का तुलनात्मक अध्ययन।
5. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में निवासरत बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि तथा सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का अध्ययन।